Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- (40)
ट्रैक नः- 01
ट्रैक समयावधिः- 30:3
कलाकार का नामः- अरफान खा s/o ?
पिता का नामः- हैदर खां
पताः- गांव बड़नावा जागीर तह- पचपदरा जिला बाड़मेर।

सहायक कलाकारः-
विडियो रिकॉर्डिंग समयः-
विषयः- (कथा) स्वप्न महल
विशेष विवरण
दिनांकः- 24/4/2024
स्थानः- बड़नावा जागीर
गायन/वादनः

यह कथा दरबार के स्वप्न पर आधारित है कथा में राजा एक खुबसूरत स्वप्न देखता है जिसमें वह एक बहुत सुन्दर पाताल लोक की दुनिया देखता है और उन्हीं का राजकुमार उसका स्वप्न पूर्ण करता है।

वर्णन:- कथा की शुरूआत में जब राजा और रानी अपने महल में सो रहे होते है और रात में एक पक्षी बोलता है तो राजा कहता है कि काग बोला और रानी कहती है कि कोयल बोली और दोनों सर्त लगाते है कि दोनों में से जो भी गलत होगा वह बारह वर्षो तक देश छोड़ देगा और सुबह पेहरेदारो को पूछने पर उनको पता होता कि कोयल बोली लेकिन वह नहीं चाहते कि राजा देश छोडकर जाए तो वह कहते है कि कव्वा बोला था। इस प्रकार रानी बारह वर्षों के लिए देश छोडकर चली जाती है और राजा उन्हें भूल जाता है। रानी गर्भपात से होती है और उन्हें एक लडका पैदा होता है और अठारह वर्ष बीत जाते है लेकिन रानी वापिस नहीं जाती है तथा राजा भी भूल जाता है।

एक दिन राजा को ख्वाब आता है और वह एक खूबसूरत महल और हीरे-मोतीयों का पेड़ देखता है और राजा को उस महल को पाने की तृष्णा होती है और सभी रजवाड़ो में यह पैगाम भेजता है कि अगर यह महल कोई खोजता है तो उन्हें ईनाम में अपना आधा राज देता है तो यह पैगाम उन्हीं राजकुमार के पास भी जाता है और राजा से वह राजकुमार उसी महल को ढूढ निकालने का वचन देता और वह अपने चार दोस्तों के साथ महल की खोज में निकल जाते है। उनके साथी सुथार, पंडित, रहीका, महाराज आदि जाति के होते है। वह निकल जाते है रास्ते में उन्हें एक रहीका जाति का आदमी मिलता है जो अपनी बीस साल की खोई भैंसे को पहचान जाता है तो एक दोस्त उनके पास वह कला सीखने रुक जाता है और आगे वे चारो आगे एक शहर में जाते है तो उन्हे एक सुथार लकडी का उडनखटोला बनाने वाला

Anand
DATE :
PAGE NO. :

मिलता है तो वह कला सीखने उनका सुधार जाति का साथी वाह रुक जाता है और वह तीनों आगे जाते है तो उन्हे एक पण्डित मिलता है तो उसका पण्डित जाति को दोस्त वह कला को सीखने के लिए वही रुक जाता है। तो वह दोनो साथी जंगल में जाते है जहा एक महाराज अपनी शक्ति से पाहड़ों को एक स्थान से दूसरे स्थान रख रहा है तो उनका महाराज शांत जाति का साथी वाह कला सीखने उस संत के पास रुक जाता है और राजकुमार आगे जाता है तो रात हो जाती है और वह पानी के किनारे एक पेड़ पर चढ़कर बैठकर आराम करता है तो वह देखता है कि उस पानी में से एक सांप निकलता है वह अपनी मिण की रोशनी में घूमता है तो वह राजकुमार के घोड़े का उस लेता है तो राजकुमार सांप को मार देता है और जैसे ही मिण हाथ में लेता है तो उन्हें पानी के अन्दर एक रास्ता मिलता है और अन्दर जाकर वाही राजा के स्वप्न का महल और हीरे मोती का पेड़ देखता है तथा वह महल के अन्दर जाता है तो एक खूबसूरत लड़की को देखता है राजकुमार कई दिन उस लड़की के साथ रहता है और विवाह कर लेता है। उस लड़की का सोने का बाल टूटकर पानी के साथ बह जाता है तथा एक राजकुमार देखता है और अपने पिता से कहता है कि इसी लड़की से विवाह करूंगा नहीं तो मर जाऊंगा। राजा दूतीयों को हुक्म देता है जिसमें से एक दूती उसी पानी के किनारे जाकर चिल्लाती है तो वह लड़की बाहर आती है और दूती उसको फुसला कर पानी के अन्दर उनके साथ चली जाती है और राजकुमार को जहर देकर उसकी पत्नी को उस राजकुमार के घर लेकर चली जाती है। कई महीने गुजर जाते है राजकुमार के चारों साथी मिलते है और अपनी अपनी विद्या से राजकुमारी को ढूंढकर वापिस उसी पानी के महल से राजकुमार को निकाल देते है और राजा को वह महल दिखाकर उनका स्वप्न पूर्ण कर देते तथा राजा को पता चलता है कि वह उन्ही का ही लड़का है तो वह बहुत खुश होता है और अपनी रानी, लड़के, और बहू को अपने उसी महल में रहने की आज्ञा देता है।